सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

Savitribai Phule Pune University, Pune

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 [NEP] के अंतर्गत प्रथम वर्ष कला हिंदी का पाठयक्रम

Under The New Education Policy 2020 [NEP] FYBA Hindi Course

बी.ए.प्रथम वर्ष के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम का ढाँचा

Major Core -04, Theory 02 , Practical 02 (Major Core 90 Lectures)

संबद्ध महाविद्यालयों के लिए

For Affiliated colleges

प्रथम वर्ष कला

प्रथम एवं द्वितीय अयन

Academic year

2024-2025

PROGRAMME OUTCOMES (POs):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के बाद विद्यार्थियों में विविध क्षमताओं का विकास होगा।

- **PO 1 Disciplinary Knowledge**
  हिंदी भाषा और साहित्य के बुनियादी तत्व समझ पाएंगे।
- **PO 2 Communication Skills**
  श्रवण, भाषण, वाचन तथा लेखन कौशल से अवगत होंगे।
- **PO 3 Critical Thinking**
  आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होगी।
- **PO 4 Problem Solving**
  सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक, भाषिक समस्याओं समाधान खोजने का प्रयत्न करेंगे।
- **PO 5 Analytical reasoning**
  प्राप्त जानकारी का तटस्थता, आस्वादन और विश्लेषण करना सीखेंगे।
- **PO 6 Research related skills**
  अनुसंधान कार्य के लिए आवश्यक गुणों का विकास होगा।
- **PO 7 Cooperation / Team work**
  लक्ष्य प्राप्ति के लिए सामूहिक प्रयास करना सीखेंगे।
- **PO 8 Scientific reasoning**
  प्राप्त ज्ञान का वैज्ञानिक दृष्टि से परीक्षण अथवा प्रस्तुतिकरण करना सीखेंगे।
- **PO 9 Reflective thinking**
  वैचारिक गंभीरता अथवा गहराई से विचार करने की प्रवृत्ति विकसित होगी।
- **PO 10 Self-directed learning**
  संबंधित शैक्षिक कार्य का स्वयं अध्ययन करने के लिए बढ़ावा मिलेगा।
- **PO 11 Information / Digital literacy**
  दृकश्राव्य माध्यमों की सहायता से अध्ययन करेंगे।
- **PO 12 Multicultural Competence**
  सांस्कृतिक वैविध्य समझने की क्षमता विकसित होगी।
- **PO 13 Moral / Ethical Values**
  नैतिक मूल्य विकसित होने अथवा आत्मसात करने में सहायता मिलेगी।
- **PO 14 Leadership Readiness**
  विषय से संबंधित क्षेत्र में नेतृत्व करने के कौशल प्राप्त होंगे।
- **PO 15 Life-long Learning**
  निरंतर अध्ययन और अनुसंधान कार्य करने में रुचि निर्माण होगी।

(Program Specific Outcomes (PSOs):
पाठ्यक्रम अध्ययन की विशिष्ट निष्पत्ति

- **PSO 1 Domain Knowledge**
  हिंदी साहित्य अथवा संबंधित पाठ्यक्रम विषयक विविध अवधारणा समझेंगे तथा उसका सौंदर्यशास्त्रीय आकलन होगा।
- **PSO 2 Professional Skills**
  भाषिक कौशल आत्मसात होंगे और तंत्रज्ञान का भाषिक व्यवहार में कुशलतापूर्वक प्रयोग कर सकेंगे।
- **PSO 3 Research**
  हिंदी भाषा और साहित्य संबंधी अनुसंधान कार्य हेतु प्रेरणा मिलेगी।
- **PSO 4 Social Responsibility**
  सामाजिक जिम्मेदारियों का एहसास होगा।
- **PSO 5 Personality Development**
  व्यक्तित्व विकास में सहायता होगी।

अनुक्रम

प्रथम अयन

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट	पृष्ठ क्रमांक
HIN : 1	हिंदी साहित्य विविधा - 1	4	
HIN : 2	कविता तथा कहानी का मौलिक लेखन एवं प्रस्तुतिकरण	2	
HIN : 3	अनुवाद स्वरूप और भेद	2	
HIN : 4	भारतीय ज्ञान परंपरा	2	
HIN : 5	व्यावहारिक हिंदी	2	
HIN : 6	व्यावहारिक हिंदी प्रत्यक्ष कार्य	2	
HIN : 7	भाषा शिक्षण कौशल	2	
HIN : 8	मूल्य शिक्षण – 1	2	

द्वितीय अयन

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट	पृष्ठ क्रमांक
HIN : 9	हिंदी साहित्य विविधा - 2	4	
HIN :10	साहित्य विधाओं का मौलिक लेखन एवं प्रस्तुतिकरण	2	
HIN :11	अनुवाद व्यवहार	2	
HIN :12	भक्तिकाव्य	2	
HIN :13	साहित्य और लेखन कौशल	2	
HIN :14	साहित्य और लेखन कौशल प्रत्यक्ष कार्य	2	
HIN :15	हिंदी कंप्यूटिंग	2	
HIN :16	मूल्य शिक्षण – 2	2	

प्रथम वर्ष कला (हिंदी) प्रथम वर्ष / प्रथम अयन

Major Core 6 Credit (4 Theory, 2 Particle)

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
HIN : 1 MJ core	हिंदी साहित्य विविधा -1	4

लक्ष्य (Aim) :

हिंदी कविता के जिस स्वरूप से आज हमारा साक्षात्कार होता है, उसके पीछे शताब्दियों का लंबा और क्रमबद्ध इतिहास है। सच्चाई तो यह है कि 19 वीं शताब्दी तक हिंदी साहित्य का लेखन कविता के रूप में ही होता आया है। आदिकालीन कविताओं में वीर गाथाओं का चित्रण हुआ है। भक्तिकाल में कवियों ने ईश्वर के निर्गुण-सगुण रूपों को साकार किया है। रीतिकाल में नायिका के नखसीख वर्णन के साथ नीति निरूपण भी किया गया है। आधुनिक हिंदी कविता जीवन संबंधित हर विषय पर भाष्य करती है।

इसी तरह हिंदी कहानी भी अपने विशिष्ट रूप में उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध से आरम्भ होती है और आधुनिक हिन्दी कहानी का उत्थान वास्तव में बीसवीं सदी के प्रथम दशक में हुआ है। इस तरह हिन्दी कहानी साहित्य की विकास यात्रा व्यापक है। हिन्दी कहानी-साहित्य अन्य साहित्यांगों की अपेक्षा अधिक गतिशील है। मासिक और साप्ताहिक पत्र-पत्रिकाओं के नियमित प्रकाशन ने इस साहित्य के विकास में बहुत अधिक योग दिया है। फलस्वरूप कहानी-साहित्य में सर्वाधिक प्रयोग हुए हैं।

मनोरंजन की लहरें उठानेवाली कविता और कहानी आज केवल मन को बहलानेवाली बातें नहीं कहती है। उनमें जीवन की गहराई एवं जीवन का सत्य दिखाई देता है। वर्तमान कविता और कहानी का क्षेत्र बहुत व्यापक हो गया है। नीति व्यवहार, मनोविज्ञान, विचार, जीवन के प्रति नई सोच, व्यक्तिगत एवं सामाजिक कई विषयों को कविता और कहानी बयान कर रही है। आज अध्ययन - अध्यापन एवं शोध कार्य की दृष्टि से हिंदी कविता और कहानी साहित्य का क्षेत्र बृहत् है। मानव जाति के लिए वैयक्तिक एवं सहजीवन की दृष्टि से हिंदी कविता और कहानी साहित्य महत्वपूर्ण है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. हिंदी कविता और कहानी साहित्य के इतिहास से अवगत होंगे।
2. हिंदी कविता और कहानी साहित्य के माध्यम से संवाद कौशल सीखेंगे।
3. दृक श्राव्य माध्यमों से साहित्य का आस्वादन करेंगे।

4. विविध सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों से अवगत होंगे।
5. विविध जीवन मूल्यों से परिचय होंगे।
6. साहित्य का अध्ययन कर समाज का तटस्थता से परीक्षण करेंगे ।
7. सामाजिक जिम्मेदारियों का एहसास होगा।
8. मानवीय जीवन विकास हेतु वैज्ञानिक दृष्टि विकसित होगी।
9. सांस्कृतिक वैविध्य की जानकारी मिलेगी।
10. असफल होने पर भी संघर्ष करने की प्रेरणा मिलेगी।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	**Disciplinary Knowledge**	**Communication Skills**	**Critical Thinking**	**Problem Solving**	**Analytical reasoning**	**Research-related skills**	**Cooperation/ Team work**	**Scientific reasoning**	**Reflective thinking**	**Self-directed learning**	**Information / Digital literacy**	**Multicultural Competence**	**Moral & Ethical Values**	**Leadership Readiness**	**Life-long Learning**	**Domen Knowledge**	**Professional Skill**	**Research**	**Social Responsibility**	**Personality Development**
	PO-1	**PO-2**	**PO-3**	**PO-4**	**PO-5**	**PO-6**	**PO-7**	**PO-8**	**PO-9**	**PO-10**	**PO-11**	**PO-12**	**PO-13**	**PO-14**	**PO-15**	**PSO-1**	**PSO-2**	**PSO-3**	**PSO-4**	**PSO-5**
CO-1	3									2		3			2	3				
CO-2	3	3								2					2	3				3
CO-3	3	3								2	3				2	3				3
CO-4	3		3	3		1			3	2		3		3	2	3		1		3
CO-5	3						3		3	2			3		2	3			3	3
CO-6	3		3	3	3					2					2	3				3
CO-7	3						3		3	2					2	3			3	3
CO-8	2		3					2		2					2	3				2
CO-9	3								3	2		3	3		2	3				2
CO-10	1		3			1			3	2			3		2	3		1		2
Wgt Avg	**2.7**	**3**	**3**	**3**	**3**	**1**	**3**	**2**	**3**	**2**	**3**	**3**	**3**	**3**	**2**	**3**		**1**	**3**	**2.66**

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई – I (काव्य)	1. भारत देश - जयशंकर प्रसाद 2. अभी न होगा मेरा अंत -सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' 3. मौन करुणा - रामकुमार वर्मा 4. गीत नया गाता हूँ - अटल बिहारी वाजपेयी 5. सात भाइयों के बीच चंपा – कात्यायनी 6. माँ से प्रार्थना - जयकुमार जलज	15
इकाई – II (काव्य)	1. कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती – सोहनलाल द्विवेदी 2. अपनी भाषा - मैथिलीशरण गुप्त 3. वे और तुम – नागार्जुन 4. जो शिलाएँ तोड़ते हैं – केदारनाथ अग्रवाल 5. पेड़ - ओमप्रकाश वाल्मीकि 6. एकलव्य - कीर्ति चौधरी	15
इकाई – III (कहानी)	1. आदर्श बदला – सुदर्शन 2. नशा – प्रेमचंद 3. आँगन का पंछी - विद्यानिवास मिश्र 4. पानी और पुल - महीप सिंह	15
इकाई – IV (कहानी)	1. पढाई - जैनेंद्र कुमार 2. घर - अमरकांत 3. जब मैं फेल हुआ - ए. पी. जे. अब्दुल कलाम 4. जंगल का दाह - स्वयं प्रकाश	15

अंक विभाजन

आतंरिक मूल्यांकन - 30%

1) 15 अंकों की लाघुत्तरी परीक्षा।
2) 15 अंकों की अध्ययन यात्रा/ पुस्तक परीक्षण/ क्षेत्र भेंट/ लेखक/कवि का साक्षात्कार/छात्र गोष्ठी

सत्रांत परीक्षा - 70%

1) चारों इकाइयों पर एक –एक ससंदर्भ व्याख्या के लिए प्रश्न, चार में से किन्हीं दो के उत्तर लिखने होंगे। 2 x 6=12
2) किन्हीं छह प्रश्नों में से तीन के उत्तर लिखने होंगे। पहली और दूसरी इकाई पर तीन प्रश्न।तीसरी और चौथी इकाई पर तीन प्रश्न। 3 x 16=48

3) चारों इकाइयों पर 10 बहुपर्यायी प्रश्न । पहली और दूसरी इकाई पर दो-दो प्रश्न। तीसरी और चौथी इकाई पर तीन - तीन प्रश्न । 10 x 1 =10

संदर्भ ग्रंथ :

1. मानसरोवर (खण्ड) 1 प्रेमचंद मेधा बुक्स, दिल्ली
2. प्रेमचंद की अमर कहानियाँ सांप. कमलेश पाण्डेय, सुहानी बुक्स, दिल्ली
3. नई कहानी की भूमिका — कमलेश्वर, शब्द्प्रकाश प्रकाशन, दिल्ली
4. समकालीन हिंदी कहानी - डॉ. पुष्पपाल सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगड़
5. कहानी नयी कहानी — नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
6. हिंदी काव्य संवेदना का विकास — डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
HIN : 2 MJP	कविता तथा कहानी का मौलिक लेखन एवं प्रस्तुतिकरण	2

लक्ष्य (Aim) :

कविता और कहानी रचनाकार की अपनी समय की सबसे सशक्त आवाज होती है। विविध कविता एवं कहानियों के अध्ययन के पश्चात छात्र काव्य सृजन और कहानी लेखन में रूचि लेकर प्रत्यक्ष कार्य करेंगे। रचना का निर्माण, रचना-प्रकिया, सृजन के तत्व को अवगत करना मुख्य लक्ष्य है। प्रत्यक्ष कार्य के द्वारा न सिर्फ अन्य कवि और कहानीकारों का अध्ययन करेंगे अपितु स्वयं भी अपनी अनुभूतियों को,भावों को , विचारों को सफलता से काव्यबद्ध कर सकें। इस पाठ्यचर्या का मुख्य लक्ष्य है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्र रचना-प्रक्रिया एवं रचना कर्म के अंतर को समझेंगे।

2.कविता के तत्वों से परिचित होंगे।

3.कहानी के तत्वों से अवगत होंगे।

4.कल्पना शक्ति के द्वारा सृजन कर सकेंगे।

5.रचना का यथार्थ स्वरुप समझकर उसे रचनाबद्ध कर सकेंगे।

6.सृजन और समीक्षा के तत्वों के अंतर को समझ सकेंगे।

7. दृक-श्राव्य माध्यमों के सहारे काव्य सृजन तथा प्रस्तुति करने की कला जानेंगे।

8. दृक-श्राव्य माध्यमों के सहारे कहानी लेखन तथा प्रस्तुति करने की कला जानेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed learning	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3				3					2					2	2				
CO-2	3									2					2	2				
CO-3	3									2					2	2				
CO-4	3									2					2	2				1
CO-5	3		3			1				2					2	2		1		1
CO-6	3		3		3					2					2	2				1
CO-7	3	3								2	3				2	2	1			1
CO-8	3	3								2	3				2	2	1			1
Wgt Avg	3	3	3		3	1				2	3				2	2	1	1		1

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

प्रत्यक्ष कार्य विधि

इकाई	पाठ्यविषय प्रत्यक्ष कार्य	तासिकाएँ
इकाई – I	काव्य तत्व के आधार पर काव्य आस्वादन, मूल्यांकन, मौलिक लेखन,प्रस्तुतिकरण	30
इकाई – II	कहानी के तत्वों के आधार पर कहानी का आस्वादन, मूल्यांकन मौलिक लेखन, प्रस्तुतिकरण	30

अंक विभाजन

आतंरिक मूल्यांकन - 30%

1) 15 अंकों के लिए कविताअथवा कहानी का मौलिक लेखन ।

सत्रांत परीक्षा - 70%

इस परीक्षा का आयोजन संबधित महाविद्यालय द्वारा बाह्य परीक्षक के सम्मुख किया जाएगा । बाह्य परीक्षक प्रत्यक्ष कार्य के आधार पर अंकदान करेंगे ।

प्रश्न 1 प्रथम इकाई पर दो प्रश्न,एक प्रश्न का उत्तर मौलिक रचना (स्वरचित)के रूप में लिखना है। कविता के आधार तत्वों पर लेखन । 1 x 10 =10 (शब्द सीमा 300)

प्रश्न 2 दूसरी इकाई पर दो प्रश्न, एक प्रश्न का उत्तर मौलिक (स्वरचित) रचना के रूप में कहानी लिखना है। कहानी के तत्वों के आधार पर । 1 x 15=15 (शब्द सीमा 700)

प्रश्न 3.कविता और कहानी के स्वरूप और तत्व पर दो प्रश्न, एक प्रश्न का उत्तर लिखना है ।1 x 10 =10

◈ ◈ ◈

प्रथम वर्ष कला (हिंदी) प्रथम वर्ष / प्रथम अयन

VSC (Vocational Skill Course) 02 Credit (Theory)

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
HIN :3	अनुवाद स्वरूप और भेद	2

लक्ष्य (Aim) :

वर्तमान युग अनुवाद का युग माना जाता है। वैदिक युग से लेकर वर्त्तमान के पुनःकथन आते हैं । अनुवाद के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन हुए हैं वस्तुत: आरंभ में अनुवाद का स्वरुप स्वांत सुखी तक सीमित था लेकिन वर्तमान में यह व्यवसाय या प्रयोजन बन गया है। समूचे विश्व में अनुवाद की महत्ता कीसी न कीसी रूप में अवश्य महसूस होती है । राजनीति, आर्थिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, प्रोद्योगिकी, धार्मिक, सामाजिक, प्रशासनिक वैज्ञानिक आदि क्षेत्रों में अनुवाद का उपयोग हो रहा है । विश्व की सभ्यताओं एवं सांस्कृतियों में में आनुवाद की भूमिका हमेशा ही उल्लेखनीय रही है।

च्यूँकि भारत बहुभाषी और बहु सांस्कृतिक देश है । अत : इसकी अखंडता और सांस्कृतिक- एकसूत्रता भारतीय भाषाओं में जो साहित्य है, यदि वह आपसी भाषाओँ में लिखा जा रहा है तो वह अनूदित होकर पाठकों के सम्मुख आता है, तो भारतीयता की अवधारणा स्वयं ही दृढ़ हो जाएगी। इसलिए स्नातक स्तर के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए अनुवाद पाठ्यक्रम की आवश्यकता है ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्र अनुवाद की अवधारणा समझेंगे।
2. अनुवाद का स्वरूप एवं भेद सीखेंगे।
3. अनुवाद करने के लिए आवश्यक दृष्टि विकसित होगी।
4. अनुवादक के लिए आवश्यक गुणों से अवगत होंगे।
5. अनुवाद की समस्याओं को समझेंगे।
6. साहित्येतर अनुवाद का स्वरूप समझेंगे।
7. अनुवाद में समतुल्यता सिद्धांत के महत्व को समझेंगे।
8. साहित्य और साहित्येतर अनुवाद में निहित अंतर को समझेंगे।
9. सांस्कृतिक विविधता जानने के लिये अनुवाद का महत्व समझ में आएगा।
10. अनुवाद कार्य से निरंतर अध्ययन करने की प्रेरणा मिलेगी।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed learning	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3							2		1					1	2				1
CO-2	3		2		2			2		2					1	2				1
CO-3	3				2	1				2					1	2		1		1
CO-4	3	2			2			2	1	2					1	2				1
CO-5	3			3						1					1	2				1
CO-6	3														1	2				1
CO-7	3														1	2				1
CO-8	3			3		1		2	1						1	2		1		1
CO-9	3											3			1	2				1
CO-10	3														1	2				1
Wgt Avg	3	2	2	3	2	1		2	1	2		3			1	2		1		1

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, प्रत्यक्ष कार्य विधि।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई – I	1. अनुवाद : अर्थ,परिभाषा और स्वरूप 2. अनुवाद प्रक्रिया के सोपान 3. अनुवाद : सहायक सामग्री 4. स्रोत भाषा,लक्ष्य भाषा 5. समतुल्यता का सिद्धांत 6. अनुवादक के गुण	15
इकाई – II	1. अनुवाद के प्रकार 2. साहित्यिक अनुवाद 3. काव्यानुवाद ,कथानुवाद,नाटयानुवाद 4. साहित्येतर अनुवाद 5. विज्ञापन,समाचार पत्र,संविधान, अधिनियम, अध्यादेश, बैंक, रेल, रक्षा, कृषि, खेल और विधि अनुवाद आदि का सामान्य परिचय	15

अंक विभाजन

आतंरिक मूल्यांकन - 30%

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।

सत्रांत परीक्षा - 70%

1. प्रश्न 1 - इकाई i पर चार प्रश्न, जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। (शब्द सीमा 300)

   2 x 7 = 14

2. प्रश्न 2 - इकाई ii पर चार प्रश्न, जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। 2 x 7 = 14
3. प्रश्न 3 - दोनों इकाइयों पर सात बहु पर्यायी प्रश्न। 7 x 1 = 7

संदर्भ ग्रंथ :

1. अनुवाद सिध्दांत और प्रयोग प्रो. जे. गोपीनाथ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
2. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा - सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. अनुवाद विज्ञान सिद्धांत एवं प्रयोग – सं. नगेंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली,
4. अनुवाद विज्ञान की भूमिका कृष्णकुमार गोस्वामी
5. अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
6. अनुवाद कला – डॉ. एन. ई. विश्वनाथ अय्यर

प्रथम वर्ष कला (हिंदी) प्रथम वर्ष / प्रथम अयन

Indian Knowledge System IKS 2 credits (Theory)

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
HIN : 4	भारतीय ज्ञान परंपरा	2

लक्ष्य (Aim) :

भारतीय ज्ञान परंपरा विशाल एवं समृद्ध है। भारत में नालंदा और तक्षशिला जैसे अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय विद्यमान थें। जहाँ विश्‍व के कोने-कोने से विद्यार्थी ज्ञानार्जन के लिए आते थें। भारतीय ज्ञान परंपरा में दर्शन, अध्यात्म, विज्ञान, गणित, चिकित्सा, सामाजिक विज्ञा कला और साहित्य समाविष्ट हैं। साहित्य , में यह ज्ञान परंपरा प्राचीन ग्रंथों, दार्शनिक ग्रंथों, धार्मिक ग्रंथों, महाकाव्यों, कविता और कहानी तक विस्तृत है। यह जीवन के शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक पहलुओं को शामिल करते हुए समग्र कल्याण पर जोर देती है। पारंपरिक भारतीय ज्ञान प्रकृति के साथ सद्भाव में रहने पर जोर देता है। पर्यावरण के प्रति सम्मान, स्थिरता और पारिस्थितिक संतुलन, विभिन्न सांस्कृतिक प्रथाओं, अनुष्ठानों और दार्शनिक दृष्टिकोणों में अंतर्निहित हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा सामाजिक सद्भाव, करुणा, सहानुभूति और नैतिक जीवन के सिद्धांतों का बखान करती है।

भारत विभिन्न आध्यात्मिक प्रथाओं और परंपराओं के लिए उपजाऊ भूमि है जिसमें बौद्ध धर्म, जैन धर्म, सिख धर्म और हिंदू धर्म के विभिन्न संप्रदाय शामिल हैं। ये परंपराएँ आत्मबोध, करुणा और आत्मज्ञान पर केंद्रित हैं। बौद्ध और जैन साहित्य भारत की समृद्ध साहित्यिक विरासत का अभिन्न अंग हैं। दोनों ही अहिंसा, नैतिक जीवन, करुणा और आध्यात्मिक मुक्ति के मार्ग पर जोर देते हैं। बौद्ध साहित्य में त्रिपिटक प्रारंभिक बौद्ध ग्रंथों का मुख्य संग्रह है। साथ ही जातक कथाएँ बौद्ध साहित्य का हिस्सा हैं। माना जाता है कि इन्हें स्वयं बुद्ध ने विभिन्न जीवन पाठ सिखाने के लिए नैतिक उपाख्यानों के रूप में सुनाया था। इसके अतिरिक्त थेरागाथा प्रारंभिक बौद्ध भिक्षुओं की कविताओं या छंदों का एक संग्रह है, जो थेरवाद बौद्ध धर्म के प्राथमिक पाठ्य स्रोत में संरक्षित है। ये छंद बुजुर्ग भिक्षुओं द्वारा बोले गए हैं जो उनके व्यक्तिगत अनुभवों, संघर्षों, अहसासों और आत्मज्ञान के मार्ग को व्यक्त करते हैं। थेरागाथा को थेरीगाथा द्वारा पूरक किया गया है, जो प्रारंभिक बौद्ध भिक्षुणियों के छंदों का एक संग्रह है। प्रत्येक अध्याय अलग -अलग भिक्षुओं और आत्मज्ञान के मार्ग पर उनकी व्यक्तिगत यात्राओं को-समर्पित है। उनके विषय अनित्यता, पीड़ा की प्रकृति, ध्यान का अभ्यास, बाधाओं पर काबू पाने और आत्मज्ञान की प्राप्ति के इर्द-गिर्द घूमते हैं। इन थेरीगाथाओं का अध्ययन निश्‍चित ही छात्रों के लिए लाभदायक होगा।स्वामी विवेकानंद का कर्मयोग भारतीय ज्ञान परमपर में महत्वपूर्ण दीपस्तंभ है । उन्होंने मनुष्य जन्म में निष्काम कर्म की महत्ता और उससे जीवन चरित्र के विकास वर्णन बखूबी किया है ।

महात्मा ज्योतिराव फुले एक महान समाज सुधारक, विचारक और कार्यकर्ता थें। उनका दर्शन और कार्य सामाजिक न्याय, शिक्षा और हाशिए पर रहने वाले समुदायों, विशेषकर महिलाओं और निचली जातियों के उत्थान हेतू महत्वपूर्ण है। उनके प्रयासों ने भारत में बाद के सामाजिक आंदोलनों और सुधारों की नींव रखी गई। ज्योतिराव फुले का दर्शन सामाजिक सुधार, शिक्षा और समाज के सभी सदस्यों के लिए न्याय और समानता की खोज में गहराई से निहित था। उन्होंने सामाजिक समानता और न्याय ,महिलाओं के अधिकार ,सभी के लिए शिक्षा , ग्रामीण उत्थान और किसान अधिकार आदि पर अपना मौलिक चिंतन प्रस्तुत किया । उनका चिंतन आज भी प्रासंगिक है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्र भारतीय ज्ञान परंपरा को समझेंगे।
2. आंतरिक सद्भाव और शांति की भावना को बढ़ावा मिलेगा।
3. अहिंसा, सेवा और करुणा जैसे सार्वभौमिक मूल्यों के प्रति जागरुक होंगे।
4. व्यक्तिगत, अध्यात्मिक और नैतिक विकास प्राप्त करेंगे।
5. कर्म के प्रति निष्ठा जागृत होगी।
6. समाजसेवा एवं परोपकार का भाव जागृत होगा।
7. शिक्षा का उद्देश्य एवं महत्त्व समझेंगे।
8. श्रम प्रतिष्ठा का महत्त्व समझेंगे।
9. स्त्री-पुरुष समानता का विचार स्थापित होगा।
10. मूल्य-संस्कार से युक्त नागरिक तैयार होंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed learning	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3		2	2	2			3		2		3			1	2			2	2
CO-2	3			2	2				2	2		3	2	1	1	2			2	2
CO-3	3			2					2	2		3	2	1	1	2			2	2
CO-4	3			2					2	2			2	1	1	2			2	2
CO-5	3			2					2	2		3	2	1	1	2			2	2
CO-6	3			2	2				2	2			2	1	1	2			2	2
CO-7	3			2					2	2			2	1	1	2			2	2
CO-8	3			2					2	2			2	1	1	2			2	2
CO-9	3		2	2		1	3		2	2		3	2	1	1	2		1	2	2
CO-10	3			2					2	2			2	1	1	2			2	2
Wgt Avg	3		2	2	2	1	3	3	2	2		3	2	1	1	2		1	2	2

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, प्रत्यक्ष कार्य विधि।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई – I (काव्य)	**थेरीगाथा एवं थेरगाथा** थेरीगाथा एवं थेरगाथा का परिचय थेरीगाथा एवं थेरगाथा का महत्त्व **थेरीगाथा -** 1. अभया थेरीगाथा 2. जन्ता थेरीगाथा 3. उत्तर थेरीगाथा 4. धम्मदिन्ना थेरीगाथा **थेरगाथा –** 1. पुणत्थेरगाथा 2. दब्बत्थेरगाथा 3. वीरत्थेरगाथा 4. सिंगालपित्थेरगाथा	15
इकाई – II	**स्वामी विवेकानंद का कर्मयोग** 1. कर्म का चरित्र पर प्रभाव 2. मनुष्य मात्र महान है 3. कर्म का रहस्य : निस्वार्थ परोपकार 4. कर्तव्यों के संबंध में विचार **महात्मा ज्योतिबा फुले का चिंतन** 1. शिक्षा विषयक विचार 2. कृषि सुधार विषयक विचार 3. नारी मुक्ति विषयक विचार	15

अंक विभाजन

आतंरिक मूल्यांकन - 30%

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।

सत्रांत परीक्षा - 70%

1. प्रश्न 1 - इकाई i पर चार प्रश्न, जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। (शब्द सीमा 300)
   2 x 7 = 14
2. प्रश्न 2 - इकाई ii पर चार प्रश्न, जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। 2 x 7 = 14
3. प्रश्न 3 - दोनों इकाइयों पर सात बहु पर्यायी प्रश्न। 7 x 1 = 7

संदर्भ ग्रंथ :

1. थेरीगाथा – डॉ. विमल कीर्ति, सम्यक प्रकाशन, पश्चिम पुरी, नई दिल्ली, पंचम संस्करण 2018
2. थेरीगाथा – डॉ. विमल कीर्ति, सम्यक प्रकाशन, पश्चिम पुरी, नई दिल्ली, संस्करण 2019
3. कर्म-योग (विवेकानंद ग्रंथावली, संख्या 3) मूल लेखक - स्वामी विवेकानंद, अनुवाद - रामविलास शर्मा, सरस्वती पुस्तक भंडार, आर्य नगर, लखनऊ
4. युग पुरुष महात्मा फुले : महात्मा फुले चरित्र साधने प्रकाशन समिती, उच्च तंत्र शिक्षा विभाग महाराष्ट्र शासन मंत्रालय, मुंबई.

◈ ◈ ◈

प्रथम वर्ष कला (हिंदी) प्रथम वर्ष / प्रथम अयन

GE/OE/Generic Elective / Open Elective (Theory, 2 Particle)

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
HIN : 5	व्यावहारिक हिंदी	2

लक्ष्य (Aim) :

संसार की हर भाषा अपने विभिन्न सन्दर्भो के दायरे में अर्थपूर्ण होती है। भाषा का महत्व, उसकी उपयोगिता के आधार पर ही होता है। आज हमारी हिंदी इतनी समर्थ हो गयी है कि वह हमारे हर प्रयोजन की पूर्ति में सक्षम एवं समर्थ है। हिंदी की शब्द-सम्पदा काफी बढ़ चुकी है। पारिभाषिक शब्दावली का पर्याप्त विकास हो चुका है। सरकार के कामकाज, संसद की कार्यवाही, विधि विधान, सरकार की नीतियाँ तथा क्रिया-कलाप की जानकारी हमें हिंदी के माध्यम से प्राप्त होती है। अत: प्रशासन और जनता के बीच यह एक सेतु का काम कर रही है। ज्ञान-विज्ञान के समझने का साधन भी हिंदी भाषा है। समाचार, मनोरंजन के साथ-साथ अब तो कम्प्यूटर में भी इसका प्रयोग प्रारम्भ हो चुका है। अतः आज इसकी उपयोगिता अत्यधिक महत्वपूर्ण है। किसी व्यक्ति विशेष द्वारा किसी विषय पर अपने ज्ञान के आधार पर किया गया नया वर्णन जिसमें कि उसके खुद के विचार होते हैं। और देखने में भी एक नई रचना के उत्पन्न होने का भाव होता है, वह रचनात्मक लेख कहलाता है। रचनात्मकता को ही सृजनात्मकता भी कहा जाता है। वास्तव में रचनात्मक लेखन ही सृजनात्मक लेखन है, जिसमें किसी बात को नए तरीके से या नए उपमानों के साथ प्रस्तुत किया जाता है। रचनात्मकता विचारों का उद्गम स्थल होती है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्रों को हिंदी भाषा की व्यवहारिक उपयोगिता मालूम होगी।
2. छात्र आधुनिक साहित्यकार और उनकी रचनाओं से परिचित होंगे।
3. छात्र मौखिक संप्रेक्षण कौशल्य से परिचित होंगे।
4. छात्र सूत्रसंचालक के गुणों से परिचित होंगे।
5. छात्रों को वर्तमान कविताओं में निहित मूल्य तथा प्राकृतिक संवर्धन का उत्तरदायित्व बोध होगा।
6. पत्रलेखन के महत्व और उनकी उपयोगिता को जानेंगे।
7. विज्ञापन लेखन के महत्व और उनकी उपयोगिता प्राप्त करेंगे।
8. छात्रों को ई-मेल, ब्लॉग लेखन का परिचय मिलेगा।
9. छात्रों को रिपोर्ट लेखन के विविध चरणों का परिचय होगा।

10. छात्र रिपोर्ट लेखन के अर्थ, महत्व और उद्देश्य को जानेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed learning	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	**PO-2**	**PO-3**	**PO-4**	**PO-5**	**PO-6**	**PO-7**	**PO-8**	**PO-9**	**PO-10**	**PO-11**	**PO-12**	**PO-13**	**PO-14**	**PO-15**	**PSO-1**	**PSO-2**	**PSO-3**	**PSO-4**	**PSO-5**
CO-1	3	2	2						1	2	1				1	2				2
CO-2	3								1	2	1				1	2				2
CO-3	3	2				1			1	2	1			2	1	2	2		1	2
CO-4	3								1	2	1				1	2	2			2
CO-5	3					1			1	2	1				1	2		1	1	2
CO-6	3	2							1	2	1				1	2		1	1	2
CO-7	3	2							1	2	1				1	2	2	1	1	2
CO-8	3	2							1	2	1				1	2		1	1	2
CO-9	3	2							1	2	1				1	2		1	1	2
CO-10	3	2							1	2	1				1	2		1	1	2
Wgt Avg	3	2	2			1			1	2	1			2	1	2	2	1	1	2

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, ।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई – I (कहानी)	1. सवा शेर गेहूं - प्रेमचंद 2. उसने कहा था -चंद्रधर शर्मा गुलेरी 3. बयान – चित्रा मुदगल 4. हंसिका फिर कभी न आई – सूरजपाल चौहान	15
इकाई – II (मौखिक संप्रेषण)	1. वक्तृत्व 2. सूत्रसंचालन 3. साक्षात्कार 4. निबंध लेखन	15

अंक विभाजन

आतंरिक मूल्यांकन - 30%

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा

सत्रांत परीक्षा – 70%

प्रश्न 1. इकाई I पर चार प्रश्न, जिनमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं । (शब्द सीमा 300) 7 x 2 =14

प्रश्न 2. इकाई II पर चार प्रश्न जिनमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। 7 x 2 =14

प्रश्न 3.इकाई I व II पर सात बहुपर्यायी प्रश्न 7x1 =7

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी शिक्षण – डॉ. मंजू शर्मा, डॉ. बनवारी लाल जैन, शिक्षा प्रकाशन, जयपुर
2. हिंदी शिक्षण – राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव, मैकमिलन प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी शिक्षण – उषा सिंहल, सौरभ प्रकाशन, दिल्ली
4. विशुद्ध हिंदी – डॉ. सदानंद भोसले, विकास प्रकाशन, कानपूर

❖ ❖ ❖

प्रथम वर्ष कला (हिंदी) प्रथम वर्ष / प्रथम अयन
व्यवहारिक हिंदी – प्रत्यक्ष कार्य

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
HIN : 6	व्यवहारिक हिंदी – प्रत्यक्ष कार्य	2

लक्ष्य (Aim)

साहित्य सृजन में कहानी विधा सबसे चर्चित विधा है । उपलब्ध प्रतिष्ठ कहानीकारों को पढ़ने के बाद कहानी लेखन में अभिरूचि बढ़ाना, उसे विकसित करना । कहानी लेखन के साथ -साथ मौलिक संप्रेषण तथा वक्तृत्व, सूत्रसंचालन,साक्षात्कार, निबंध लेखन कौशल विकसित करना ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्र कहानी और कविता साहित्य की समीक्षा करना सीखेंगे।
2. छात्र वक्तृत्व, साक्षात्कार आदि प्रकार के मौखिक संप्रेक्षण करेंगे।
3. छात्र सूत्रसंचालन करना जानेंगे।
4. छात्र हिंदी कविता का गायन कर सकेंगे।
5. छात्र कविता तथा कहानी लिखना सीखेंगे।
6. पत्रलेखन करना जानेंगे।
7. विज्ञापन लेखन कौशल से परिचित होंगे।
8. छात्रों को ई-मेल, ब्लॉग लेखन का परिचय मिलेगा।
9. छात्रों को रिपोर्ट लेखन के विविध चरणों का परिचय होगा।
10. छात्र निबंध लिखना सीखेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed learning	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3		3		3	3		3		2					2	2		3		2
CO-2	3			2						2				3	2	2	3		3	2
CO-3	3	3		2						2				3	2	2	3			2
CO-4	3	3		2						2					2	2				2
CO-5	3			2						2					2	2				2
CO-6	3	3		2					3	2					2	2				2
CO-7	3	3		2						2					2	2	3			2
CO-8	3	3		2						2	3				2	2				2
CO-9	3			2						2	3				2	2				2
CO-10	3		3	2	3	3			3	2					2	2		3		2
Wgt Avg	3	3	3	2	3	3		3	3	2	3			3	2	2	3	3	3	2

शिक्षा विधि (Pedagogy) : प्रत्यक्ष कार्य विधि

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई – III (प्रात्यक्षिक)	कहानी के तत्वों के आधार पर मूल्यांकन, आस्वादन, कहानी-मौलिक लेखन एवं प्रस्तुति	30
इकाई – IV (प्रात्यक्षिक)	संप्रेषण : वक्तृत्व (भाषण), सूत्रसंचालन , साक्षात्कार,निबंध लेखन एवं प्रस्तुति	30

अंक विभाजन

आतंरिक मूल्यांकन - 30%

1) 15 अंकों के लिए कहानी का मौलिक लेखन ।

सत्रांत परीक्षा - 70%

इस परीक्षा का आयोजन संबधित महाविद्यालय द्वारा बाह्य परीक्षक के सम्मुख किया जाएगा । बाह्य परीक्षक प्रत्यक्ष कार्य के आधार पर अंकदान करेंगे ।

प्रश्न 1 प्रथम इकाई पर दो प्रश्न,एक प्रश्न का उत्तर मौलिक रचना (स्वरचित)के रूप में लिखना है ।कहानी के तत्वों पर लेखन । 1 x 10 =10 (शब्द सीमा 700)

प्रश्न 2 दूसरी इकाई पर दो प्रश्न, एक प्रश्न का उत्तर मौलिक (स्वरचित) रचना के रूप में लिखना है प्रश्न । कहानी के तत्वों के आधार पर । 1 x 15=15 (शब्द सीमा 700)

प्रश्न 3. दूसरी संप्रेषण के आधार पर एक प्रश्न का उत्तर लिखना है ।1 x 10 =10 (शब्द सीमा 700)

प्रथम वर्ष कला (हिंदी) प्रथम वर्ष / प्रथम अयन

SEC Skill Enhancement Course 02 Credit (Theory)

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
HIN : 7	भाषा शिक्षण कौशल	2

लक्ष्य (Aim) :

भाषा मनुष्य के भाव, विचारों को अन्य व्यक्ति के सम्मुख प्रकट करने का महत्वपूर्ण साधन है। सफल और प्रभावोत्पादक संप्रेषण के लिए भाषाई कौशल नितांत आवश्यक है। चूँकि भाषा न सिर्फ संप्रेषण करती है, बल्कि ज्ञानात्मक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी करती है। वास्तव में भाषा कौशल भाषा का व्यावहारिक पक्ष है। व्यक्तित्व के विकास में भाषाई कौशल महत्वपूर्ण है। भाषा पर जिसका अधिकार होता है, उसे रोजगार के अवसर भी ज्यादा उपलब्ध होते हैं। भाषा शिक्षण का कार्य दो स्तरों पर होता है, एक तो भाषा के स्तर पर और दूसरा मानवीय व्यवहार के स्तर पर। इस दृष्टि से स्नातक स्तर के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए भाषा शिक्षण कौशल आवश्यक है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्र भाषा कौशल के आधार समझेंगे।
2. भाषाई कौशल के माध्यम से संप्रेषण करेंगे।
3. भाषाई कौशल विकसित कर रोजगार प्राप्त करेंगे।
4. मातृभाषा और अन्य भाषाओं के अंतर को समझेंगे।
5. भाषा कौशल शिक्षण में मनोविज्ञान की उपयुक्तता समझेंगे।
6. भाषा कौशल के राष्ट्रीय, सामाजिक एवं शैक्षिक संदर्भो से अवगत होंगे।
7. दृक-श्राव्य माध्यमों से भाषा प्रयोग की जानकारी मिलेगी।
8. भाषा कौशल निपुणता के तत्वों से अवगत होंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed learning	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3		3		2	1			1	2					1	2				1
CO-2	3	3		2					1	2	3			2	1	2			2	1
CO-3	3	3		2					1	2				2	1	2	2			1
CO-4	3	3	3						1	2					1	2				1
CO-5	3	3	2						1	2					1	2				1
CO-6	3								1	2					1	2				1
CO-7	3	3	2						1	2	3				1	2	2			1
CO-8	3	3	2		2	1			1	2					1	2		1		1
Wgt Avg	3	3	2	2	2	1			1	2	3			2	1	2	2	1		1

शिक्षा विधि (Pedagogy) : व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, प्रत्यक्ष कार्य विधि।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई – I	1. भाषा शिक्षण कौशल स्वरूप और उपदेश तथा विशेषताएं, महत्व, प्रकार। 2. श्रवण कौशल में उपयुक्त सामग्री ग्रामोफोन, रेडियो, सिनेमा, टेप रिकॉर्डर, टेलीविजन, वीडियो 3. भाषा कौशल निपुणता के तत्व, सर्वमान्य भाषा का प्रयोग, प्रभोवोत्पादक, अवसरानुकूल भाषा, गतिशीलता, स्वाभाविकता, शिष्टाचार उच्चारण की शुद्धता तथा स्पष्टता आदि।	15
इकाई – II	1. वाचन कौशल महत्व एवं भेद, वाचन की विशेषताएं, अक्षरोच्चारण, शब्दोच्चारण, स्वर माधुर्य, उचित गति। प्रभोवोत्पादक, वाचन मुद्रा, वाचन शैली, स्वाभाविकता आदि। 2. लेखन कौशल का महत्व तथा लेखन-शिक्षण के लिए आवश्यक सावधानियां 3. भाषा शिक्षण का राष्ट्रीय सामाजिक और शैक्षिक संदर्भ 4. भाषा शिक्षण और मनोविज्ञान का अंत: संबंध	15

अंक विभाजन

आतंरिक मूल्यांकन - 30%

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।

सत्रांत परीक्षा - 70%

1. प्रश्न 1 - इकाई i पर चार प्रश्न, जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। (शब्द सीमा 300) 2 x 7 = 14
2. प्रश्न 2 - इकाई ii पर चार प्रश्न, जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। 2 x 7 = 14
3. प्रश्न 3 - दोनों इकाइयों पर सात बहु पर्यायी प्रश्न। 7 x 1 = 7

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा शिक्षण – डॉ. रविंद्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी शिक्षण – डॉ. मंजू शर्मा, डॉ. बनवारीलाल जैन, शिक्षा प्रकाशन, जयपुर
3. भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान बृजेश्वर वर्मा, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
4. हिंदी शिक्षण - राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव, मैकमिलन प्रकाशन, दिल्ली
5. हिंदी शिक्षण - उषा सिंहल, सौरभ प्रकाशन, दिल्ली
6. विशुद्ध हिंदी – डॉ. सदानंद भोसले, विकास प्रकाशन, कानपूर

◈ ◈ ◈

प्रथम वर्ष कला (हिंदी) प्रथम वर्ष / प्रथम अयन

VEC Value Education Course 02 Credit (Theory)

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
HIN : 8	मूल्य शिक्षण -1	2

लक्ष्य (Aim) :

नीतिपरक साहित्य नीतिकथाओं के रूप में पंचतंत्र , हितोपदेश आदि कृतियों में मिलता है। संस्कृत साहित्य में उपदेश की प्रवृति दृष्टिगत होती है। सूक्तियों के माध्यम से नाटकों में आदर्श जीवन जीने के सूत्र बताए गए हैं।पंचतंत्र, हितोपदेश आदि की कथाएं प्राचीन काल से हमारे भारतीय समाज का अभिन्न अंग रही हैं। गद्य तथा पद्य में लिखित नीतिपरक साहित्य का अध्ययन विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगा तथा उन्हें एक आदर्श नागरिक बनाने में सहयोगी होगा।

प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को नीतिकथाओं , नीतिपरक दोहों आदि का अध्ययन कराया जाएगा जिससे विद्यार्थी जीवन में सत् - असत् का अंतर समझेंगे । विद्यार्थियों में रचना का आस्वादन के साथ ही विवेकपूर्वक निर्णय लेने की क्षमता का विकास होगा। विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों के प्रति सजगता जागृत करना पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है। नीतिपरक साहित्य लेखन की परंपरा से विद्यार्थियों को परिचित कराना आवश्यक है ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. विद्यार्थी नीतिपरक साहित्य के इतिहास तथा पृष्ठभूमि से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी विविध विधाओं में लिखित नीतिपरक साहित्य के स्वरूप से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों की जानकारी होगी।
4. विद्यार्थी जीवन में नैतिक मूल्यों को अपनाएंगे।
5. नीतिपरक साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना निर्मित होगी।
6. विद्यार्थी देश तथा समाज के हित में विवेकपूर्वक निर्णय करेंगे।
7. संत कबीर के जीवन एवं विचारों से अवगत होंगे।
8. रहीम की नीतिपरक सोच को समझेंगे।
9. नीतिपरक साहित्य का अध्ययन विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी तथा प्रेरणादायक होगा।
10. वैश्वीकरण के इस दौर में नीतिपरक साहित्य का अध्ययन विद्यार्थियों का उचित मार्गदर्शन करेगा।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed learning	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3				2				2				3		1	2			2	1
CO-2	3								2	2			3		1	2			2	1
CO-3	3			2					2	2			3		1	2			2	2
CO-4	3								2	2			3	2	1	2			2	2
CO-5	3			2			3		2	2			3	2	1	2			2	2
CO-6	3		3	2	2	2		3	2	2			3	2	1	2	2	2	2	2
CO-7	3	2							2	2		2	3	2	1	2			2	1
CO-8	3	2							2	2		2	3	2	1	2			2	1
CO-9	3	2							2	2			3	2	1	2			2	2
CO-10	3	2	3	2					2	2			3	2	1	2	2		2	2
Wgt Avg	3	2	3	2	2	2	3	3	2	2		2	3	2	1	2	2	2	2	1.6

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, प्रत्यक्ष कार्य विधि।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई – I	**कबीर के नीति विषयक दोहे** 1. निंदक नियरे राखिये,आँगन कुटी छवाय, बिन साबुन बिन पानी,निर्मल करे सुभाय। 2. साधू इतना दीजिए,जामे कुटुंब समाय, मैं भी भूखा न रहू,साधू न भूका जाय। 3. बड़ा हुआ तो क्या हुआ,जैसे पेड़ खजूर, पंथी को छाया नहीं,फल लागे अति दूर। 4. बुरा जो देखन मैं चला,बुरा न मिलिया कोय, जो मन खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय। 5. माला फेरत जुग भया, फिरा न मन का फेर कर का मनका डार दे, मन का मनका फेर। 6. पत्थर पूजे हरि मिले, तो मैं पूजू पहाड़, घर की चाकी कोई न पूजे, जाको पीस खाए संसार। 7. कबीरा खड़ा बाजार में, लिए लकुठी हाथ, जो घर फूंके आपना,चले हमर साथ। 8. मेरा मुझ में कुछ नहीं, जो कुछ है सो तेरा, तेरा तुझको सौंपत है, क्या लागे है मेरा। 9. माटी कहे कुम्हार से, तू क्यूँ रौंदे मोहे, एक दिन ऐसा आएगा, मैं रौंदूंगी तोहे। 10. कल करे सो आज कर, आज करे सो अब, पल में परलय होएगी, बहुरि करेगा कब।	
इकाई – II	**रहीम के नीति विषयक दोहे** 1. जो रहीम उत्तम प्रकृति, का करि सकत कुसंग, चन्दन विष व्यापत नहीं, लपटे रहत भुजंग। 2. बिगरी बात बने नहीं, लाख करो किन कोय, रहिमन फटे दूध को,मथे न माखन होय। 3. रहिमन गली है संकरी, दूजो न ठहराई, आपु अहै तो हरी नहीं,हरि तो आपुन नहीं। 4. रहिमन जिहवा बावरी, कहिगै सरग पताल, आपु तो कहि भीतर रही,जुती खात कपाल। 5. एकै साधे सब सधे, सब साधे सब जाय, रहिमन मूलहिं सींचिबो,फूलै फ़ले अधाय। 6. रहिमन ओछे नरन सों, बैर भलो ना प्रीति। काटे चाटे स्वान के दोऊ भांति विपरीत॥ 7. रहिमन वे नर मर चुके, जे कहुं मांगन जाएं। उनते पहले वे मुए जिन मुख निकसत नांहि।। 8. बड़े बड़ाई ना करैं, बड़ो ना बोले बोल। रहिमन हीरा कब कहै लाख टको मेरो मोल ।।	

	9. कहीं रहीम संपति सगे बनत बहुत बहु रीत । विपत्ति कसौटी जे कैसे तेई सांचै मीत॥ 10. धरती की सी रीत है, सीत घाम औ मेह। जैसी परे सो सहि रहे , त्यों रहीम यह देह।।	

अंक विभाजन

आतंरिक मूल्यांकन - 30%

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।

सत्रांत परीक्षा - 70%

4. प्रश्न 1 - इकाई i पर चार प्रश्न, जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। (शब्द सीमा 300) 3 x 7 = 14
5. प्रश्न 2 - इकाई ii पर चार प्रश्न, जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। 2 x 7 = 14
6. प्रश्न 3 - दोनों इकाइयों पर सात बहु पर्यायी प्रश्न। 7 x 1 = 7

संदर्भ ग्रंथ :

1. कबीर ग्रंथावली – डॉ. श्यामसुंदर दास, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली
2. कबीर ग्रंथावली – डॉ. रामकिशोर शर्मा, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. कबीर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कबीर चिंतन – डॉ. बृजभूषण शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. रहीम ग्रंथावली – सं. विद्यानिवास मिश्र, गोविंद रजनीश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

द्वितीय अयन

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट	पृष्ठ क्रमांक
HIN : 9	हिंदी साहित्य विविधा -2	4	
HIN :10	साहित्य विधाओं का मौलिक लेखन एवं प्रस्तुतिकरण	2	
HIN :11	अनुवाद व्यवहार	2	
HIN :12	भक्तिकाव्य	2	
HIN :13	साहित्य और लेखन कौशल	2	
HIN :14	साहित्य और लेखन कौशल - प्रत्यक्ष कार्य	2	
HIN :15	हिंदी कंप्यूटिंग	2	
HIN :16	मूल्य शिक्षण -2	2	

प्रथम वर्ष कला (हिंदी) प्रथम वर्ष / द्वितीय अयन

Major Core 6 Credit (4 Theory, 2 Particle)

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
HIN : 9 MJ Core	हिंदी साहित्य विविधा-2	4

लक्ष्य (Aim) :

हिंदी कविता ने मनोरंजन के साथ-साथ उचित उपदेश देने का कार्य भी किया है। साहित्यकार इसी तरह हिंदी साहित्य की अन्य विधाओं (व्यंग्य, रेखाचित्र, एकांकी) के माध्यम से समाज उपयोगी संदेश देते रहते हैं। व्यंग्य अभिव्यक्ति की एक प्रमुख शैली है, जो अपने महीन आघात के साथ विषय के व्यापक विस्तार की क्षमता रखती है। काव्य के साथ हिंदी गद्य व्यंग्य ने भी इस शैली का बेहद सफल इस्तेमाल करते हुए समकालीन समस्याओं पर प्रकाश डाला है। रेखाचित्र एक दृश्य कला है। एक रेखाचित्र पर काम करने वाले कलाकार को नक्शानवीस या प्रारूपकार कहा जा सकता है। यह प्रक्रिया चित्रकारी के समान ही है। 'रेखाचित्र' शब्द अंग्रेजी के 'स्कैच' (sketch) शब्द का हिन्दी रूपान्तर है। जैसे 'स्कैच' में रेखाओं के माध्यम से किसी व्यक्ति या वस्तु का चित्र प्रस्तुत किया जाता है, ठीक वैसे ही शब्द रेखाओं के माध्यम से किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व को उसके समग्र रूप में पाठकों के सम्मुख प्रस्तुत किया जाता है। ये व्यक्तित्व प्रायः वे होते हैं, जिनसे लेखक किसी न किसी रूप में प्रभावित रहा हो या जिनसे लेखक की घनिष्ठता अथवा समीपता हो। इस विधा के कारण हम लेखक के समकालीन व्यक्तियों से परिचित होते हैं।

एक अंक वाले नाटकों को एकांकी कहते हैं। अंग्रेजी के 'वन ऐक्ट प्ले' शब्द के लिए हिंदी में 'एकांकी नाटक' और 'एकांकी' दोनों ही शब्दों का समान रूप से व्यवहार होता है। पश्चिम में एकांकी 20वीं शताब्दी में, विशेषतः प्रथम महायुद्ध के बाद, अत्यन्त प्रचलित और लोकप्रिय हुआ। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में उसका व्यापक प्रचलन 20वीं शताब्दी के चौथे दशक में हुआ। एकांकी पाठों का सर्वप्रमुख उद्देश्य विभिन्न सन्दर्भो में संवाद बोलने की क्षमता का विकास करना है। एकांकी, नाटक का एक लघु रूप होता है। यह एक प्रकार की दृश्य विधा है। इसके पाठन से विद्यार्थी का वाचन कौशल विकसित होता है। इस तरह मानव जाति के सर्वांगीण विकास हेतु हिंदी कविता, गद्य व्यंग्य, रेखाचित्र, एकांकी साहित्य अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं के इतिहास से अवगत होंगे।
2. हिंदी साहित्य के माध्यम से संवाद कौशल सीखेंगे।
3. दृक श्राव्य माध्यमों से साहित्य का आस्वादन करेंगे।
4. विविध सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों से अवगत होंगे।
5. विविध जीवन मूल्यों से परिचय होंगे।
6. साहित्य का अध्ययन कर समाज का तटस्थता से परीक्षण करेंगे ।
7. सामाजिक जिम्मेदारियों का एहसास होगा।
8. मानवीय जीवन विकास हेतु वैज्ञानिक दृष्टि विकसित होगी।
9. सांस्कृतिक वैविध्य की जानकारी मिलेगी।
10. काव्य, कहानी, व्यंग्य, रेखाचित्र, एकांकी आदि विधाओं का मौलिक लेखन करना सीखेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed learning	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	**PO-2**	**PO-3**	**PO-4**	**PO-5**	**PO-6**	**PO-7**	**PO-8**	**PO-9**	**PO-10**	**PO-11**	**PO-12**	**PO-13**	**PO-14**	**PO-15**	**PSO-1**	**PSO-2**	**PSO-3**	**PSO-4**	**PSO-5**
CO-1	3									2		3			2	3				
CO-2	3	3								2					2	3				3
CO-3	3	3								2	3				2	3				3
CO-4	3		3	3		1			3	2		3		3	2	3		1		3
CO-5	3						3		3	2			3		2	3			3	3
CO-6	3		3	3	3	1				2					2	3		1		3
CO-7	3						3		3	2					2	3			3	3
CO-8	2		3			1		2		2					2	3		1		2
CO-9	3								3	2		3	3		2	3				2
CO-10	1		3			1			3	2			3		2	3		1		2
Wgt Avg	2.7	3	3	3	3	1	3	2	3	2	3	3	3	3	2	3		1	3	2.66

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई – I (काव्य)	1. सुख दु:ख - सुमित्रानंदन पन्त 2. लोहे का स्वाद - धूमिल 3. नए इलाके में - अरुण कमल 4. नदी और साबुन - ज्ञानेंद्रपति 5. माँ हो - श्योराज सिंह बेचैन 6. उतनी दूर मत ब्याहना बाबा - निर्मला पुतुल	15
इकाई – II (व्यंग्य)	1. तुम कब जाओगे अतिथि - शरद जोशी 2. दो नाकवाले लोग - हरिशंकर परसाई 3. रिश्तों से बढ़कर - नरेंद्र कोहली	15
इकाई – III (रेखाचित्र)	1. घीसा - महादेवी वर्मा 2. सुभान खां - रामवृक्ष बेनीपुरी 3. शमशु मिस्त्री - विष्णु प्रभाकर	15
इकाई – IV (एकांकी)	1. बहू की विदा - विनोद रस्तोगी 2. पृथ्वीराज की आँखें - रामकुमार वर्मा 3. महाभारत की एक साँझ - भारत भूषण अग्रवाल	15

अंक विभाजन

आतंरिक मूल्यांकन - 30%

1.अंकों की लाघुत्तरी परीक्षा।

2. 15 अंकों की अध्ययन यात्रा/ पुस्तक परीक्षण/ क्षेत्र भेंट/ लेखक/कवि का साक्षात्कार/छात्र गोष्ठी

सत्रांत परीक्षा - 70%

4) चारों इकाइयों पर एक –एक ससंदर्भ व्याख्या के लिए प्रश्न, चार में से किन्हीं दो के उत्तर लिखने होंगे। 2 x 6=12

5) किन्हीं छह प्रश्नों में से तीन के उत्तर लिखने होंगे। पहली और दूसरी इकाई पर तीन प्रश्न ।तीसरी और चौथी इकाई पर तीन प्रश्न। 3 x 16=48

6) चारों इकाइयों पर 10 बहुपर्यायी प्रश्न । पहली और दूसरी इकाई पर दो-दो प्रश्न। तीसरी और चौथी इकाई पर तीन - तीन प्रश्न । 10 x 1 =10

संदर्भ ग्रंथ :

1. आधुनिक हिंदी काव्य रूप और संरचना – निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. आधुनिक हिंदी काव्य – डॉ. सत्यनारायण सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. हिंदी के प्रमुख व्यंग्यकार - डॉ. स्मिता चिपलुनकर, अलका प्रकाशन, कानपूर
4. रंगमंच के सिद्धांत (संपा.) महेश आनंद, देवेंद्र राज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. समकालीन हिंदी नाटक सृष्टि और दृष्टि – लव कुमार लवलीन, भावना प्रकाशन, दिल्ली
6. अतीत के चलचित्र – महादेवी वर्मा

◈ ◈ ◈

प्रथम वर्ष कला (हिंदी) प्रथम वर्ष / द्वितीय अयन

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
HIN : 10	साहित्य विधाओं का मौलिक लेखन एवं प्रस्तुतिकरण	2

लक्ष्य (Aim) :

कविता और कहानी रचनाकार की अपनी समय की सबसे सशक्त आवाज होती है। विविध कविता एवं कहानियों के अध्ययन के पश्चात छात्र काव्य सृजन और कहानी लेखन में रूचि लेकर प्रत्यक्ष कार्य करेंगे। रचना का निर्माण, रचना-प्रकिया, सृजन के तत्व को अवगत करना मुख्य लक्ष्य है। प्रत्यक्ष कार्य के द्वारा न सिर्फ अन्य कवि और कहानीकारों का अध्ययन करेंगे अपितु स्वयं भी अपनी अनुभूतियों को,भावों को , विचारों को सफलता से काव्यबद्ध कर सकें। इस पाठ्यचर्या का मुख्या लक्ष्य है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्र रचना-प्रक्रिया एवं रचना कर्म के अंतर को समझेंगे।
2. कविता के तत्वों से परिचित होंगे।
3. व्यंग्य साहित्य के तत्वों से अवगत होंगे।
4. कल्पना शक्ति के द्वारा सृजन कर सकेंगे।
5. रचना का यथार्थ स्वरुप समझकर उसे रचनाबद्ध कर सकेंगे।
6. सृजन और समीक्षा के तत्वों के अंतर को समझ सकेंगे।
7. दृक-श्राव्य माध्यमों के आधार पर काव्य सृजन तथा प्रस्तुति करने की कला जानेंगे।
8. दृक-श्राव्य माध्यमों के के सहारे कहानी, व्यंग्य, रेखाचित्र, एकांकी आदि का लेखन करने की कला से अवगत होंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed learning	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3				3					2					2	2				
CO-2	3									2					2	2				
CO-3	3									2					2	2				
CO-4	3									2					2	2				1
CO-5	3		3			1				2					2	2		1		1
CO-6	3		3		3					2					2	2				1
CO-7	3	3								2	3				2	2	1			1
CO-8	3	3								2	3				2	2	1			1
Wgt Avg	3	3	3		3	1				2	3				2	2	1	1		1

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

प्रत्यक्ष कार्य विधि

इकाई	पाठ्यविषय प्रत्यक्ष कार्य	तासिकाएँ
इकाई – V	**प्रत्यक्ष कार्य** :व्यंग्य, रेखाचित्र, आदि विधागत तत्त्व के आधार पर आस्वादन, मूल्यांकन, मौलिक लेखन एवं प्रस्तुतिकरण।	15
इकाई –VI	**प्रत्यक्ष कार्य** :एकांकी, कविता आदि का विधागत तत्त्व के आधारपर आस्वादन, मूल्यांकन, मौलिक लेखन प्रस्तुतिकरण।,	15

अंक विभाजन

आतंरिक मूल्यांकन - 30%

2) 15 अंकों के लिए कविता अथवा कहानी का मौलिक लेखन ।

सत्रांत परीक्षा - 70%

इस परीक्षा का आयोजन संबधित महाविद्यालय द्वारा बाह्य परीक्षक के सम्मुख किया जाएगा । बाह्य परीक्षक प्रत्यक्ष कार्य के आधार पर अंक दान करेंगे ।

प्रश्न 1 प्रथम इकाई पर दो प्रश्न,एक प्रश्न का उत्तर मौलिक रचना (स्वरचित)के रूप में लिखना है । कविता के तत्वों पर लेखन । 1 x 10 =10 (शब्द सीमा 300)

प्रश्न 2 दूसरी इकाई पर दो प्रश्न, एक प्रश्न का उत्तर मौलिक (स्वरचित) रचना के रूप में लिखना है प्रश्न । कहानी के तत्वों के आधार पर । 1 x 15=15 (शब्द सीमा 700)

प्रश्न 3. एकांकी और रेखाचित्र के स्वरुप और तत्वों के आधार पर मौलिक लेखन , दो में से एक प्रश्न का उत्तर लिखना है ।1 x 10 =10

◈ ◈ ◈

प्रथम वर्ष कला (हिंदी) प्रथम वर्ष / द्वितीय अयन

VSC (Vocational Skill Course) 02 Credit (Particle)

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
HIN : 11	अनुवाद व्यवहार	2

लक्ष्य (Aim) : अनुवाद जिस तरह भाषा का अंतरण होता है उसी तरह अनुवाद सांस्कृतिक, सामाजिक सेतु के रूप में भी कार्य करता है। अनुवाद के स्वरूप एवं प्रविधि को समझने के पश्चात अनुवाद व्यवहार महत्वपूर्ण चरण है। इसमें साहित्यिक और साहित्येतर अनुवाद कार्य प्रत्यक्ष करने से अनुवाद में कुशलता संभव है। अनुवाद का महत्व हर क्षेत्र में होने के कारण रोजगार के भी अनेक अवसर खुल गए हैं। बड़ी-बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनी में अनुवाद की आजकल नितांत आवश्यकता है। साथ ही केंद्र सरकार के विविध कार्यालयों में अनुवादक के पद होते हैं। अतः साहित्य और साहित्येतर क्षेत्र में अनुवाद का विशेष महत्व है। अनुवाद सिद्धांत को समझने के उपरांत प्रत्यक्ष अनुवाद करके सांस्कृतिक सेतु बनकर वित्तीय आय भी संभव है। इसलिए प्रथम वर्ष कला स्नातक के छात्रों के पाठ्यक्रम में अनुवाद व्यवहार विषय आवश्यक है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. अनुवाद की अवधारणा समझेंगे।
2. छात्र प्रत्यक्ष अनुवाद करने के लिए प्रेरित होंगे।
3. अनुवाद करने के लिए आवश्यक दृष्टि विकसित होगी।
4. साहित्यिक और साहित्येतर अनुवाद चुनौतियों को समझेंगे।
5. अनुवाद की समस्याओं को समझेंगे।
6. अनुवाद करते समय सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भों को समझते हुए उनका प्रयोग करेंगे।
7. स्वयं सफल अनुवादक बन सकेंगे।
8. रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे।
9. सांस्कृतिक वैविध्य जानने के लिये अनुवाद का महत्व समझ में आएगा।
10. अनुवाद कार्य से निरंतर अध्ययन करने की प्रेरणा मिलेगी।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3									2					1	2				1
CO-2	3									2					1	2				1
CO-3	3		3			2		2		2					1	2		2	2	1
CO-4	3			3						2					1	2				1
CO-5	3			3						2					1	2				1
CO-6	3	3		3	3	2			2	2		2	2		1	2		2	2	1
CO-7	3				3					2					1	2	2			1
CO-8	3									2					1	2	2			1
CO-9	3								2	2		2			1	2				1
CO-10	3									2					1	2				1
Wgt Avg	**3**	**3**	**3**	**3**	**3**	**2**		**2**	**2**	**2**		**2**	**2**		**1**	**2**	**2**	**2**	**2**	**1**

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, प्रत्यक्ष कार्य विधि।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई – I	प्रात्यक्षिक -साहित्यिक अनुवाद काव्य, कहानी, उपन्यास तथा नाटक का प्रत्यक्ष अनुवाद कार्य (25 पृष्ठों तक)	30
इकाई – II	प्रात्यक्षिक - साहित्येतर अनुवाद विज्ञापन, समाचार पत्र, संविधान, अधिनियम, अध्यादेश,बैंक, रेल, रक्षा, कृषि, खेल और विधि अनुवाद कार्य (25 पृष्ठों तक)	30

प्रात्यक्षिक परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक के द्वारा मूल्यांकन अनिवार्य है । बाह्य परीक्षक संबंधित महाविद्यालय से नहीं होगा ।

अंक विभाजन

आतंरिक मूल्यांकन - 30%

1. 15 अंकों के लिए इकाई I अथवा II में से प्रत्यक्ष अनुवाद कार्य पर प्रश्न ।

सत्रांत परीक्षा - 70%

1. प्रत्यक्ष अनुवाद के लिए मराठी कविता/कहानी का अंश दिया जाएगा । हिंदी अनुवाद के लिए इकाई I पर चार प्रश्न , जिनमें से दो प्रश्नों का हिंदी अनुवाद कर उत्तर लिखने हैं । 2 x 10 =20
2. इकाई II पर दो प्रश्न, जिनमें से एक प्रश्न का हिंदी अनुवाद कर उत्तर लिखने हैं । 1 x 10 =10
3. इसी इकाई पर बैंक और रेल क्षेत्र से संबधित मराठी /अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद के लिए दो प्रश्न, अथवा में दिए जाएंगे । एक का हिंदी अनुवाद कर उत्तर लिखना होगा ।1 x 5 =5

संदर्भ ग्रंथ :

1. अनुवाद विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
2. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग – प्रो. जे. गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. अनुवाद कला – डॉ. एन. ई. विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
4. अनुवाद और रचना का उत्तर-जीवन – डॉ. रमण सिन्हा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

❖ ❖ ❖

प्रथम वर्ष कला (हिंदी) प्रथम वर्ष / द्वितीय अयन

Minor 2 credits (Theory)

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
HIN : 12	भक्तिकाव्य	2

लक्ष्य (Aim) :

भारत में गीति काव्य की प्राचीन परंपरा है। वेदों से पूर्व गीति काव्य की परंपरा है। साहित्य की शुरुआत ही गीति काव्य से हुई है। इसमें भावानुभूति, संगीतात्मकता, वैयक्तिकता आदि गुण होते हैं। भक्तिकालीन कवियों ने जनमानस में लोकप्रिय छंद दोहों एवं पदों के माध्यम से अपनी भवभिक्ति की है। भक्ति काव्य एक ओर धार्मिक भावनाओं, भक्ति और श्रद्धा को उजागर करता है तो दूसरी ओर संगीतात्मकता और भावात्मकता के माध्यम से रस और भावनाओं को प्रकट करता है। कबीर, रहीम, सूरदास, और मीराबाई ने हिंदी साहित्य को भक्ति काव्य के माध्यम से धार्मिक और मानवीय दृष्टिकोण दिया। उन्होंने समाज में धार्मिकता, नैतिकता और मानवीयता को उद्वेलित किया और समाज में एकता और समरसता को बढ़ावा दिया। इन महान कवियों ने न केवल हिंदी साहित्य को धार्मिक और मानवीय मूल्यों के प्रति जागरूक किया बल्कि उनकी रचनाओं ने समाज को एक साथ लाने और भेदभाव को दूर करने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अत: उनका साहित्य आज भी प्रासंगिक है और अँधेरे में मार्ग आलोकित करता है। उनके द्वारा लिखित दोहे एवं पद जनमानस में प्रचलित एवं गाए जाते हैं। ये पद केवल ग्येय और जनसंवेद्य नहीं हैं बल्कि उनमें संगीत की रागरागिनियाँ भी विद्यमान हैं। इस दृष्टि से इन दोहों एवं पदों का महत्त्व और भी बढ़ता है। इसलिए भक्तिकालीन कवियों के प्रचलित गेय काव्य का अध्ययन आवश्यक है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. भक्तिकालीन कवियों के प्रचलित ज्ञेय काव्य का अध्ययन करने के पश्चात् छात्र गीति काव्य के मनोरंजन और मनोवैज्ञानिक प्रभाव का परिचय प्राप्त करेंगे।
2. छात्रों में सामाजिक सुधार के प्रति जागरूकता उत्पन्न होगी।
3. भाषा तथा साहित्यिक शैली के प्रति रूचि उत्पन्न होगी।
4. आदर्श गुरु का स्थान एवं महत्त्व समझेंगे।
5. मोक्ष की दिशा में गुरु के मार्गदर्शन का महत्व समझेंगे।
6. नैतिकता एवं सद्गुणों का प्रचार-प्रसार एवं विकास होगा।

7. सामाजिक न्याय और समानता की भावना का विकास होगा।

8. प्रेम और समर्पण भाव का महत्त्व जान पाएंगे।

9. नैतिक एवं चरित्रगत विकास होगा।

10. अध्यात्मिक भावना का विकास होगा।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed learning	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3	2	2									2			1	2				1
CO-2	3		2	2	2	2	2	2	2	2			2	2	2	2			2	1
CO-3	3	2													1	2				1
CO-4	3					2							2		2	2			2	1
CO-5	3	2		2		2	2		2	2		2	2		1	2			2	1
CO-6	3						2		2				2		2	2			2	1
CO-7	3		2	2	2		2	2	2	2			2		2	2			2	1
CO-8	3						2		2	2			2		2	2			2	1
CO-9	3		2				2						2		2	2			2	1
CO-10	3		2	2			2		2	2		2	2	2	2	2			2	1
Wgt Avg	3	2	2	2	2	2	2	2	2	2		2	2	2	1.7	2			2	1

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, प्रत्यक्ष कार्य विधि।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई – I	**कबीर :** 1. गुरु गोविन्द दोउ खड़े,काके लागू पाय, बलिहारी गुरु आपने जिन गोविन्द दियो बताय। 2. सतगुरु की महिमा अनंत, अनंत किया उपगार, लोचन अनंत उघाडिया अनंत दिखावन हार। 3. कबीर गुरु गरवा मिल्या,रलि गया आटे लूँण, जाति पांति कुल सब मिटें,नौंव घरौंगे कौण।	

	4. सतगुरु बपुरा क्या करें,जे सिषही माँहे चूक, भावे त्यूं प्रमोधि ले,ज्यूँ वंसी बजाई फूँक। 5. बूढ़े थे परी ऊबरे, गुर की लहरि चमंकि, भेरा देख्या जरजरा,ऊतरी पड़े फरंकि। 6. भली भई गुरु मिल्या, 7. जाका गुरु भी अंधला, चेला खरा निरंध। अंधे अँधा ठेलियां,दोनों कूप पडंत॥ **रहीम :** 1. रहिमन धागा प्रेम का मत तोड़ो छिटकाय। टूटे से फिर ना मिले,मिले गांठ परि जाए॥ 2. रहिमन पानी राखिएं, बिनु पानी सब सून, पानी गए न ऊबरे, मोती,मानुष चून। 3. रहिमन निज मन की बिथा, मन ही राखे गोय, सुनि अठिलैहे लोग सब,बांटी न लैहें कोय। 4. नर की अरु नल – नीर की, गति एकै कर जोई, जेतो नीचे है चले, तेतो ऊंचो होई। 5. रहीमन देखि बड़ेंन को लघु न दीजिए डारी, जहाँ काम आवै सुई क्या करै तरवारि। 6. टूटे सुजन मनाइए, जो टूटे सौ बार, रहिमन फिरि फिरि पोहिए,टूटे मुक्ताहार। 7. कही रहीम संपति सगे बनत बहुत बहु रीत, बिपत कसौटी जे कसे,सोई सांचे मीत।	
इकाई – II	**सूरदास :** 1. मैया मोरी मैं नहिं माखन खायो। भोर भयो गैयन के पाछे, मधुवन मोहिं पठायो । चार पहर बंसीबट भटक्यो, साँझ परे घर आयो ॥ मैं बालक बहिंयन को छोटो, छींको किहि बिधि पायो । ग्वाल बाल सब बैर परे हैं, बरबस मुख लपटायो ॥ तू जननी मन की अति भोरी, इनके कहे पतिआयो । जिय तेरे कछु भेद उपजि है, जानि परायो जायो ॥ यह लै अपनी लकुटि कमरिया, बहुतहिं नाच नचायो । 'सूरदास' तब बिहँसि जसोदा, लै उर कंठ लगायो ॥ 2. मैया मोहिं दाऊ बहुत खिझायो। मो सों कहत मोल को लीन्हों तू जसुमति कब जायो॥ कहा करौं इहि रिस के मारें खेलन हौं नहिं जात। पुनि पुनि कहत कौन है माता को है तेरो तात॥ गोरे नंद जसोदा गोरी तू कत स्यामल गात। चुटकी दै दै ग्वाल नचावत हंसत सबै मुसुकात॥ तू मोहीं को मारन सीखी दाउहिं कबहुं न खीझै। मोहन मुख रिस की ये बातैं जसुमति सुनि सुनि रीझै॥ सुनहु कान बलभद्र चबाई जनमत ही को धूत। सूर स्याम मोहिं गोधन की सौं हौं माता तू पूत॥	

	3. मैया, कबहिं बढ़ैगी चोटी? किती बार मोहि दूध पियत भइ, यह अजहूँ है छोटी॥ तू जो कहति बल की बेनी ज्यौं, ह्वैहै लाँबी-मोटी। काढ़त-गुहत-न्हवावत जैहै नागिनि-सी भुइँ लोटी॥ काँचौ दूध पियावति पचि-पचि, देति न माखन-रोटी। सूरज चिरजीवौ दोउ भैया, हरि-हलधर की जोटी॥ 4. किलकत कान्ह घुटुरुवनि आवत ।। मनिमय कनक नंद कै आँगन, बिम्ब पकरिबै धावत ॥ कबहुँ निरखि हरि आपु छाँह कौ, कर सौं पकरन चाहत । किलकि हँसत राजत द्वै दतियाँ, पुनि-पुनि तिहिं अवगाहत ॥ कनक-भूमि पर कर-पग छाया, यह उपमा इक राजति । करि-करि प्रतिपद प्रतिमनि बसुधा, कमल बैठकी साजति ।। बाल-दसा-सुख निरखि जसोदा, पुनि-पुनि नंद बुलावति । अँचरा तर लै ढाँकि, सूर के प्रभु को दूध पियावति ॥ **मीराँ** पायो जी मैने राम रतन धन पायो वस्तु अमौलिक दी मेरे सतगुरु, किरपा करि अपनायो पायो जी मैने... जनम जनम की पूंजी पाई, जग में सभी खोवायो पायो जी मैने... खर्च ना खूटे वाको चोर ना लूटे, दिन दिन बढ़त सवायो पायो जी मैने... सत की नांव, खेवटिया सतगुरु, भवसागर तर आयो पायो जी मैने... मीरा के प्रभु गिरधर नागर, हरख हरख जस गायो पायो जी मैने राम रतन धन पायो 2. मैं गिरधर के घर जाऊँ। गिरधर म्हाँरो साँचो प्रीतम देखत रूप लुभाऊँ॥ रैण पड़ै तब ही उठ जाऊँ भोर भये उठ आऊँ। रैण दिना वा के संग खेलूँ ज्यूँ त्यूँ ताही रिझाऊँ॥ जो पहिरावै सोई पहिरूँ जो दे सोई खाऊँ। मेरी उण की प्रीत पुराणी उण बिन पल न रहाऊँ॥ जहाँ बैठावें तितही बैठूँ बेचै तो बिक जाऊँ। मीरा के प्रभु गिरधर नागर बार-बार बलि जाऊँ॥ 3. हे री मैं तो प्रेम दीवानी, मेरो दर्द न जाणै कोय।	

	घायल की गति घायल जाणै, जो कोई घायल होय। जौहरी की गति जौहर जाणै, जो कोई जौहर होय। सूली ऊपर सेज पिया की, मिलना किस विध होए। गगन मण्डल पर सेज पिया की, किस विध मिलणा होय। दर्द की मारी बन-बन डोलूँ, वैध मिला नहिं कोय। मीरा की प्रभु पीर मिटेगी, जद वैध साँवरिया होय। 4. मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई जाके सर मोर मुकुट मेरो पति सोई मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई कोई कहे कारो, कोई कहे गोरो कोई कहे कारो, कोई कहे गोरो लियोन हे अंक्खियां को कोई कहे हलकों, कोई कहे भरो कोई कहे हलकों, कोई कहे भरो लियोन हे तराजू टोल मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई कोई कहे छानी, कोई कहे छावनी कोई कहे छानी, कोई कहे छावनी लियोन हे पचंता टोल तन का गहना मैं सब कुछ दिन तन का गहना, सब कुछ दिन दियो है बाजूबंद खोल मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई जाके सर मोर मुकुट मेरो पति सोई मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई	

अंक विभाजन

आतंरिक मूल्यांकन - 30%

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा

सत्रांत परीक्षा - 70%

1. प्रश्न 1 इकाई I पर चार प्रश्न,जिनमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। (शब्द सीमा 300) 2 x 7 =14
2. प्रश्न 2 इकाई II पर चार प्रश्न, जिनमें से डॉ प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं ।2x 7= 14
3. प्रश्न 3 दोनों इकाइयों पर सात बहुपर्यायी प्रश्न 7x1=7

संदर्भ ग्रंथ :

1. कबीर ग्रंथावली – श्यामसुंदरदास, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली

2. सूरदास – आचार्य रामचंद्र शुल्क, चिंतन प्रकाशन, कानपूर
3. निर्गुण कवियों के सामाजिक आदर्श – डॉ. विमल महता, आशा प्रकाशन गृह, नई दिल्ली
4. कबीर – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. मीरां – व्यक्तिव्य और कृतित्व श्रीशरण, आधुनिक प्रकाशन, नई दिल्ली
6. मीरा का सौंदर्यबोध संपा. डॉ. ओम आनंद सरस्वती, सत्यनारायण समदानी
7. सूरदास – संपा. हरवंशलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
8. सूरदास और उनका भ्रमरगीत – डॉ. श्रीनिवास शर्मा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
9. रहीम ग्रंथावली – सं. विद्यानिवास मिश्र, गोविंद रजनीश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

◈ ◈ ◈

प्रथम वर्ष कला (हिंदी) प्रथम वर्ष / द्वितीय अयन

4B) Generic Elective / Open Elective 02 Theory 02 Practical

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
HIN : 13	साहित्य और लेखन कौशल	2

लक्ष्य (Aim) :

किसी व्यक्ति विशेष द्वारा किसी विषय पर अपने ज्ञान के आधार पर किया गया नया वर्णन जिसमें कि उसके खुद के विचार होते हैं। वह रचनात्मक लेख कहलाता है। रचनात्मकता को सृजनात्मकता भी कहा जाता है। रचनात्मतक लेखन ही सृजनात्मक लेखन है, जिसमें किसी बात को नए तरीके से या नए उपमानों के साथ प्रस्तुत किया जाता है, रचनात्मकता विचारों का उद्‍गम स्थल होती है। लेखन कौशल स्पष्ट लेखन कौशल रखने से व्यक्ति को कम से कम शब्दों में अपने इरादे स्पष्ट रूप से व्यक्त करने में मदद मिलती है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्र हिंदी साहित्य की विविध विधाओं से परिचित होंगे।
2. छात्र आधुनिक हिंदी कवि और उनकी काव्य कृतियों से परिचित होंगे।
3. आधुनिक कविताओं में निहित मूल्यबोध से छात्र परिचित होंगे।
4. छात्रों को पठीत कविताओं के अध्ययन से प्राकृतिक संवर्धन का संदेश मिलेगा।
5. छात्र विविध लेखन कौशल्य से परिचित होंगे।
6. छात्र पत्रलेखन के महत्व और उनकी उपयोगिता को समझ पायेंगे।
7. छात्र पारिवारिक, व्यावसायिक, आवेदन, शिकायत, व्यक्तिगत आदि विविध पत्रों के प्रारूप से परिचित होंगे।
8. छात्र विज्ञापन लेखन के महत्व और उनकी उपयोगिता से परिचित होंगे।
9. छात्र ई-मेल, ब्लॉग लेखन आदि से परिचित होंगे।
10. रिपोर्ट लेखन के विविध चरण से छात्र परिचित होंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed learning	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3	2				1				2						2		1		2
CO-2	3					1				2						2		1		2
CO-3	3		2				1			2			2			2			2	2
CO-4	3	2	2	2	2		1	2		2			2	2		2			2	2
CO-5	3	2				1		2		2					1	2		1		2
CO-6	3	2						2		2					1	2				2
CO-7	3	2						2		2					1	2				2
CO-8	3	2						2		2	2				1	2				2
CO-9	3	2						2		2	2				1	2				2
CO-10	3	2						2		2					1	2				2
Wgt Avg	3	2	2	2	2	1	1	2		2	2		2	2	1	2		1	2	2

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई – I **(कविता)**	1. वसंत आया - सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला 2. कदम मिलाकर चलना होगा -अटल बिहारी वाजपेयी 3. वे हाथ – सर्वेश्वर दयाल सक्सेना 4. घर की चौखट से बाहर – सुशीला टाकभौरे 5. बात बोलेगी - शमशेर बहादुर सिंह 6. पेड़ - लीलाधर जगूड़ी	15
इकाई – II **(लेखन कौशल)**	1. पत्र लेखन – पारिवारिक पत्र,व्यावसायिक पत्र,आवेदन पत्र , शिकायती पत्र, व्यक्तिगत पत्र। 2. रिपोर्ट लेखन 3. विज्ञापन लेखन – मुद्रित माध्यम	15

	4. ई-मेल, ब्लॉग लेखन	

अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा

15 अंकों की अध्ययन यात्रा/पुस्तक परीक्षण/क्षेत्रीय भेंट/ लेखक/कवि आदि का साक्षात्कार, समूह चर्चा, छात्र संगोष्ठी ।

सत्रांत परीक्षा : 70 %

1. प्रश्न 1 इकाई I पर चार प्रश्न,जिनमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। (शब्द सीमा 300) 2 x 7 =14
2. प्रश्न 2 इकाई II पर चार प्रश्न, जिनमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं । 2x 7= 14
3. प्रश्न 3 दोनों इकाइयों पर सात बहुपर्यायी प्रश्न 7x1=7

संदर्भ ग्रंथ :

1. छायावादोत्तर हिंदी काव्य में बिंब विधान – डॉ. उषा जैन, विकास प्रकाशन, कानपूर
2. काल से होड़ लेते कवि शमशेर और ग्रेस – डॉ. पुरुषोत्तम कुंदे, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
3. समकालीन कविता का परिप्रेक्ष्य – डॉ. रेवती रमण, नवनीत प्रकाशन, इलाहाबाद
4. सर्वेश्वर का कविता लोक – डॉ. महेश 'दिवाकर', सुमन प्रकाशन, दिल्ली
5. दृश्य – श्रव्य माध्यम लेखन – डॉ. राजेंद्र मिश्र, ईशिता मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

◈ ◈ ◈

प्रथम वर्ष कला (हिंदी) प्रथम वर्ष / द्वितीय अयन

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
HIN : 14	साहित्य और लेखन कौशल - प्रत्यक्ष कार्य	2

लक्ष्य (Aim)

काव्य के रसास्वादन की प्रक्रिया से अवगत करना। मौलिक काव्य लेखन की प्रक्रिया से रूबरू करना। विवध माध्यमों के लिए लिखने के लिए प्रेरित करना ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्र हिंदी साहित्य की विविध विधाओं से परिचित होंगे।
2. छात्र इंटरनेट की सहायता से संवाद करना जानेंगे।
3. छात्र हिंदी कविता का गायन कर सकेंगे।
4. छात्र काव्य सृजन करना जानेंगे।
5. पत्र लेखन करना आएगा।
6. विज्ञापन लेखन कौशल से परिचित होंगे।
7. छात्रों को ई-मेल, ब्लॉग लेखन का परिचय मिलेगा।
8. छात्रों को रिपोर्ट लेखन के विविध चरणों का परिचय होगा।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed learning	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3					1				1					1	2		1		2
CO-2	3	2								1					1	2				2
CO-3	3	2								1					1	2	3			2
CO-4	3		2							1					1	2				2

CO-5	**3**	**2**	**2**							**1**					**1**	**2**				**2**
CO-6	**3**	**2**	**2**							**1**	**2**				**1**	**2**	**3**			**2**
CO-7	**3**	**2**	**2**							**1**					**1**	**2**				**2**
CO-8	**3**	**2**	**2**			**1**				**1**	**2**				**1**	**2**		**1**		**2**
Wgt Avg	**3**	**2**	**2**			**1**				**1**	**2**				**1**	**2**	**3**	**1**		**2**

शिक्षा विधि (Pedagogy) :-

प्रत्यक्ष कार्य विधि

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई – III (प्रात्यक्षिक)	काव्य तत्वों के आधार पर पठित काव्य पाठों का मूल्यांकन, आस्वादन, मौलिक काव्य लेखन एवं प्रस्तुति	30
इकाई – IV (प्रात्यक्षिक)	पत्र-लेखन, रिपोर्ट लेखन, विज्ञापन लेखन, ई-मेल एवं ब्लॉग, मौलिक लेखन एवं प्रस्तुति	30

अंक विभाजन

आतंरिक मूल्यांकन - 30%

1) 15 अंकों के लिए कविता अथवा कहानी का मौलिक लेखन ।

सत्रांत परीक्षा - 70%

इस परीक्षा का आयोजन संबधित महाविद्यालय द्वारा बाह्य परीक्षक के सम्मुख किया जाएगा । बाह्य परीक्षक प्रत्यक्ष कार्य के आधार पर अन्क्दन करेंगे ।

प्रश्न 1 प्रथम इकाई पर दो प्रश्न,एक प्रश्न का उत्तर मौलिक रचना (स्वरचित)के रूप में लिखना है ।कविता के तत्वों पर लेखन । 1 x 10 =10 (शब्द सीमा 300)

प्रश्न 2 दूसरी इकाई पर दो प्रश्न, एक प्रश्न का उत्तर मौलिक (स्वरचित) रचना के रूप में लिखना है प्रश्न । कहानी के तत्वों के आधार पर । 1 x 15=15 (शब्द सीमा 700)

प्रश्न 3.कविता और कहानी के स्वरुप और तत्व पर दो प्रश्न, एक प्रश्न का उत्तर लिखना है ।1 x 10 =10

प्रथम वर्ष कला (हिंदी) प्रथम वर्ष / प्रथम अयन

SEC Skill Enhancement Course 02 Credit (Theory)

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
HIN : 15	हिंदी कंप्यूटिंग	2

लक्ष्य (Aim) :

वर्तमान युग में सूचना प्रौद्योगिकी का युग माना जाता है। है। कंप्यूटर, इंटरनेट, ईमेल, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, टेलिप्रिंटर, फ़ैक्स, मोबाईल, एस एम एस, एम एम एस आदि साधनों का प्रचूर मात्रा में प्रयोग होता है। हिंदी भाषा का प्रयोग कंप्यूटर पर दिन-ब-दिन अधिक बढ रहा है। अब हिंदी भाषा तकनीकी की भाषा बन गई है। आज शिक्षा क्षेत्र में कंप्यूटर और हिंदी भाषा का प्रयोग के साथ-साथ एक दिशावाचक भाषा बन गई है। अनुवाद के क्षेत्र में कंप्यूटर अनुवाद स्मृति, मंत्रा, अनुवादक .05, डीपएल, सिस्ट्रान अनुवाद, माइक्रोसॉफ्ट अनुवादक, शिव-शक्ति आदि अनुवाद के सॉफ्टवेयर उपलब्ध है। यूनिकोड के माध्यम से सभी कंप्यूटर और इंटरनेट पर देवनागरी फॉन्ट में समानता आयी है। कंप्यूटर, मूल रूप से नंबरों से संबंध रखते हैं। ये प्रत्येक अक्षर और वर्ण के लिए एक नंबर निर्धारित करके अक्षर और वर्ण संग्रहित करते हैं। अपनी सभी भाषाओं को कवर करने के लिए अनेक विभिन्न संकेत लिपियों की आवश्यकता होती है। लेकिन देवनागरी लिपि के सभी वर्ण और सांकेतिक चिह्न यूनिकोड में उपलब्ध है। यूनिकोड सॉफ्टवेयर प्रयोग करने के लिए बहुत ही सरल है।

कंप्यूटर पर हिंदी और इंटरनेट की दुनिया बहुत व्यापक है। आज इंटरनेट के हिंदी कार्यक्रमों का लाभ वैश्विक समुदाय निरंतर अपनी उपयोगिता के संदर्भ ले रहा है। हिंदी के इंटरनेट कार्यक्रमों द्वारा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय एक-दूसरे के निकट आ गया है। इस इंटरनेट के माध्यम से हिंदी भाषा विश्वपटल पर भाषिक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह प्रभावी रूप से होता रहा है। वर्तमान में हिंदी भाषा की जानकारी या कोर्स इंटरनेट के माध्यम से बहुत नजदीक आ गया है। अब इंटरनेट पर भारतीय भाषाओं में पोर्टल तैयार है। लेकिन अधिक रूप में हिंदी भाषा प्रभावी रूप में खडी है। आज हिंदी कंप्यूटिंग पाठ्यक्रम की आवश्यकता है। इसलिए स्नातक स्तर के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए पाठ्यक्रम का निर्माण किया है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्र कंप्यूटर के विभिन्न अंगो से परिचित होंगे।
2. छात्र कंप्यूटर के विभिन्न प्रयोगों से परिचित होंगे।
3. भारतीय भाषाओं के प्रचार प्रसार हेतु कंप्यूटर के महत्व को समझेंगे।

4. कंप्यूटर के माध्यम से देवनागरी लिपी का प्रयोग सीखेंगे।
5. कंप्यूटर के माध्यम से भाषा सॉफ्टवेअर से परिचित होंगे।
6. यूनिकोड के सॉफ्टवेअर से अवगत होंगे।
7. कंप्यूटर के अनुप्रयोग से हिंदी भाषा कौशलों को जानेंगे।
8. कंप्यूटर के माध्यम से मशिनी अनुवाद से अवगत होंगे।
9. कंप्यूटर के माध्यम से इंटरनेट पर भाषा का प्रयोग करना सीखेंगे।
10. ई-कॉमर्स में कंप्यूटर की सहायता से हिंदी भाषा प्रयोग के महत्व को समझेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed learning	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3									1	2				2	2				2
CO-2	3									1	2				2	2				2
CO-3	3	2								1	2				2	2				2
CO-4	3	2				1				1	2				2	2		1		2
CO-5	3	2				1				1	2				2	2		1		2
CO-6	3	2				1				1	2				2	2		1		2
CO-7	3	2				1				1	2				2	2	2	1		2
CO-8	3	2				1				1	2				2	2	2	1		2
CO-9	3	2				1				1	2				2	2	2	1		2
CO-10	3	2								1	2				2	2	2			2
Wgt Avg	3	2				1				1	2				2	2	2	1		2

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, प्रत्यक्ष कार्य विधि।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई – I	1. कंप्यूटर का परिचय 2. कंप्यूटर के अनुप्रयोग 3. सूचना प्रोद्योगिकी और भारतीय भाषाएँ 4. देवनागरी लिपि और मशीनी अनुवाद के भाषिक टूल्स	15
इकाई – II	1. यूनिकोड की उपयोगिता 2. ई कॉमर्स के लिए हिंदी की उपयोगिता- 3. कंप्यूटर पर हिंदी और इंटरनेट की दुनिया 4. हिंदी भाषा शिक्षण और ईलर्निंग- 5. हिंदी भाषा से संबंधित सॉफ्टवेयर की जानकारी https://rajbhasha.gov.in/hi/inroduction वेबसाइटस् – का परिचय www.rajbhasha.nic.in www.rajabhasha.com www.indianlanguages.com www.tdil.mit.gov.in www.cdacindia.com www.dictionary.com www.bharatdarshan.co.nz www.hindinet.com www.gadnet.com www.nidatrans.com www.hindibhasha.com	15

अंक विभाजन

आतंरिक मूल्यांकन - 30%

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।

सत्रांत परीक्षा - 70%

1. प्रश्न 1 - इकाई i पर चार प्रश्न, जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। (शब्द सीमा 300)

   2 x 7 = 14

2. प्रश्न 2 - इकाई ii पर चार प्रश्न, जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। 2 x 7 = 14
3. प्रश्न 3 - दोनों इकाइयों पर सात बहु पर्यायी प्रश्न। 7 x 1 = 7

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा और लिपि – नरेश कुमार
2. https://rajbhasha.gov.in/
3. कंप्यूटर के अनुप्रयोग – ओजस एवं श्रीवास्तव
4. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा
5. कार्यालयीन हिंदी एवं भाषा कंप्यूटिंग – डॉ. एस. के. शर्मा
6. कंप्यूटर परिचालन तत्व – राम बंसल
7. कंप्यूटर – प्रशांत शर्मा
8. कार्यालयी हिंदी और कंप्यूटर - डॉ. एस. के. शर्मा
9. मशीनी और मशीनी अनुवाद – वृषभ प्रसाद जैन

◈ ◈ ◈

VEC Value Education Course 02 Credit (Theory / Practical)

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
HIN : 16	मूल्य शिक्षण – 2	2

लक्ष्य (Aim) :

जातक कथाओं का भारतीय साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान है। इन कथाओं में जीवन के मूल्यों, नैतिकता, सत्य, धर्म, प्रेम और भाईचारे का संदेश छिपा है। जातक कथाएँ बौद्ध ग्रंथ त्रिपिटक के शुद्ध पिटक अंतर्गत आती हैं। इन कथाओं का उद्देश्य नीति और धर्म को समझाने के साथ-साथ मनोरंजन भी है। इनसे हमें जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझने का अवसर प्राप्त होता है। ये कथाएँ प्राचीन भारत के समाज, धर्म और राजनीतिक जीवन को समझने के लिए एक महत्त्वपूर्ण स्रोत हैं। जातक कहानियाँ बुद्धिमानी, सत्य और नैतिकता की शिक्षा देती हैं। ये कहानियाँ बुद्ध द्वारा बताई गई हैं। इन कथाओं को समझने से हमारे जीवन में नैतिकता, सच्चाई और धार्मिकता के प्रति अधिक समझ और संवेदनशीलता बढ़ती है। ये कथाएँ हमें जीवन की गहराईयों को समझने में मदद करती हैं। इनके द्वारा हम जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों को समझने की कोशिश करते हैं। जातक कथाओं की विशेषता यह है कि वे व्यक्तिगत स्तर पर नहीं बल्कि सामाजिक और नैतिक स्तर पर सीख देती हैं। ये कहानियाँ नैतिक शिक्षा, सहानुभूति, दया, धर्म और सच्चाई को बढ़ावा देती हैं। जातक कथाएँ समस्याओं का सामना करने, उन्हें हल करने और उच्चतम मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए विशेष रूप से लिखी गई हैं। ये कहानियाँ हमें उन गहरी सच्चाईयों के साथ जोड़ती हैं जो हमारे जीवन को सजीव और समृद्ध बनाती हैं।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्रों के मन में एक उच्च मानवीय वृत्ति विकसित होगी।
2. छात्र अहिंसा, सत्य, प्रेम और भाईचारे के महत्त्वपूर्ण संदेश को समझ पाएँगे।
3. नैतिक शिक्षा, सहानुभूति, दया और सच्चाई को बढ़ावा मिलेगा।
4. सामाजिक एकता को बढ़ावा मिलेगा।
5. जीवन में नैतिक आचरण के प्रति प्रतिबध्दता बढेगी।
6. जीवन की गहराईयों को समझने में सहायता होगी।
7. अच्छे कार्यों के महत्त्व को अंकित कर सकेंगे।
8. समस्याओं का सामना करने का संबल प्राप्त होगा।
9. व्यक्तित्व का विकास होगा।

10. समाज के हित में कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed learning	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3		2			1			1	2			2		2	2		1	2	2
CO-2	3						3		1	2		2	2		2	2			2	2
CO-3	3								1	2		2	2		2	2			2	2
CO-4	3						3		1	2		2	2	2	2	2			2	2
CO-5	3								1	2			2	2	2	2			2	2
CO-6	3		2		2				1	2			2		2	2			2	2
CO-7	3								1	2			2		2	2			2	2
CO-8	3			2	2	1			1	2			2		2	2		1	2	2
CO-9	3								1	2			2		2	2			2	2
CO-10	3		2	2			3		1	2			2	2	2	2			2	2
Wgt Avg	3		2	2	2	1	3		1	2		2	2	2	2	2		1	2	2

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, प्रत्यक्ष कार्य विधि।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई – I **(कथा)**	**जातक कथा –माला : रामचंद्र वर्मा** 1. मृतक भक्त जातक 2. वक् जातक 3. वेणुक जातक 4. आरामदूषक जातक 5. वेदब्भ जातक	15
इकाई – II **(कथा)**	**जातक कथा –माला : रामचंद्र वर्मा** 1. नाम सिद्धिक जातक 2. आम्र जातक 3. संजीव जातक 4. तित्तिर जातक 5. भीमसेन जातक	15

अंक विभाजन

आतंरिक मूल्यांकन - 30%

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।

सत्रांत परीक्षा - 70%

1. प्रश्न 1 - इकाई i पर चार प्रश्न, जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। (शब्द सीमा 300) 2 x 7 = 14
2. प्रश्न 2 - इकाई ii पर चार प्रश्न, जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। 2 x 7 = 14
3. प्रश्न 3 - दोनों इकाइयों पर सात बहु पर्यायी प्रश्न। 7 x 1 = 7

संदर्भ ग्रंथ :

1. जातक कथा – माला : अ नुवाद तथा प्रकाशक, रामचंद्र वर्मा, साहित्य रत्नमाला कार्यालय, बनारस

◈ ◈ ◈